(घ) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा प्रगति मैदान में नियमित आधार पर चलाए जाने वाले कार्यक्रमों में भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, आहार (8वां अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य प्रसंस्करण, होटल एवं रेस्टोरेन्ट उपस्कर एवं सप्लाई) तथा टैकसइंडिया शामिल हैं ।

इसके अलावा, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों से सम्बन्धित वस्तु मेले भी आयोजित किए जाते हैं । आयोजित किए गए वस्तु मेलों की संख्या वर्ष प्रति अलग अलग होती है। वर्ष 1991–92 में मेलों के कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल है :—

(i) कंज्युमैक्स ; 91

(ii) सजावट ; 91

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदर्शनी ; 91

(iv) प्रकाश ; 91

(v) अन्तर्राष्ट्रीय चमड़ा मेला (मद्रास)

वर्ष 1991–92 के लिए मेलों के कार्यक्रमों पर अंतिम खर्च औसतन 40 लाख रु० प्रति मेला है, क्योंकि टी०एफ०ए आई० द्वारा आयोजित घरेलू मेलों पर इस वर्ष होने वाला खर्च 315 लाख रु० (आई आई टी एफ 91 सहित) आंका गया है ।

खनिज और धातु व्यापार निगम द्वारा ऋण देने से इन्कार

1763. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 26 अक्तूबर, 1991 के "फाइनसिएल एक्सप्रेस" में "82 एस०एस०पी० यूनिट्स फेसिंग क्लोजर एज एम०एम०टी०सी० रिफ्यूजेज क्रैडिट" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो एम०एम०टी०सी० द्वारा इन उर्वरक उत्पादन इकाइयों को ऋण देने से इन्कार करने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि इन औद्योगिक इकाइयों को ऋण अब तक निगम द्वारा ऋण दिया जाता रहा है ;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1989–90 और 1990–91 के वित्तीय वर्ष के दौरान कितनी राशि का माल उधार दिया गया था ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि निगम की नीति में वर्तमान परिवर्तन के कारण निगम द्वारा हाल में आयोजित फॉस्फेट और सल्फर की काफी वही मात्रा का उपयोग नहीं हो पा रहा है ; और

(च) यदि हां, तो 1 अक्तूबर, 1991 की स्थिति के अनुसार निगम के भण्डार में इस कच्चे-माल की कितनी मात्रा थी ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) सरकार ने उल्लिखित समाचार देख लिया है ।

(ख) से (घ) खनिज एवं धातु व्यापार निगम ने उर्वरक उत्पादक एककों को ऋण देने से इन्कार नहीं किया है । एम०एम०टी०सी० ने उर्वरक एककों के लिए वर्ष 1989–90 और 1990–91 के दौरान क्रमश: 176.77 करोड़ रुपए और 237.66 करोड़ रु० की ऋण-सुविधा उपलब्ध कराई थी ।

(ङ) और (च) जी, नहीं। दिनांक 31–10; 1991 की स्थिति के अनुसार एम०एम०टी०सी० के पास गंधक और राक फास्फेट का कोई भी अन्विका स्टाक नहीं है ।

Utilisation of Sugar Export Quota

1764. SHRI S. MADHAVAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have taken any action to utilise the pre-

ferential sugar export quotas to the United States and to the European Community countries; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHID): (a) and (b) The preferential quotas for the export of sugar to the United States and to the European Community were utilised in the past by the State Trading Corporation and the Indian sugar and General Industry Export Import Corporation Limited (ISGIEIC). No decision has been taken about the distribution of quota for the year 1991-92.

Visit to India by Foreign Delegations

1765. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1010 given in the Rajya Sabha on the 3rd December, 1991 and state:

(a) the details of foreign delegations that visited India in the past three months with a view to increasing joint ventures and providing financial aids and assistance;

(b) whether it is a fact that in spite of relaxation in Government's policies nothing concrete has been achieved by India; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

चाय के निर्यात में गिरावट

1766. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के चाय-निर्यात में गिरावट आई है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) चाय का निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) पिछले पांच वर्षों के दौरान चाय के निर्यात के आंकड़े नीचे दिए गए हैं :—

वर्ष	मात्रा रु० कि.ग्रा.	मूल्य करोड़ रु. में	यूनिट मूल्य रु. कि. ग्रा.
1986–87 . . .	196.23	579.48	30.25
1987–88 . . .	201.83	627.77	29.53
1988–89 . . .	204.08	635.28	31.13
1989–90 . . .	210.62	904.72	42.86
1990–91* . . .	199.48	1045.41	52.40

*अनुमानित